समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

भारत का मित्र अपने शत्रु का समर्थन कर रहा है ! 'इस' देश के एक फैसले की वजह से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था अगले 50 साल तक मजबूत रहेगी।

Publisher

Published on 15 May 2025

सऊदी निवेश पाकिस्तान की सोना खदान मे: ंभारत के लिए 5 बड़ी चिंताएं

तिथि : 15 मई 2025 | **स्थान :** इस्लामाबाद/बलूचिस्तान

सऊदी निवेश पाकिस्तान सोना खदान में हालिया निर्णय से दक्षिण एशिया में एक नई भू-राजनीतिक बहस शुरू हो गई है। सऊदी अरब, जिसे भारत का रणनीतिक मित्र माना जाता है, अब पाकिस्तान की **रेको डिक सोना और तांबा खदान** में निवेश करने जा रहा है। यह परियोजना अगले 50 वर्षों तक पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में सक्षम मानी जा रही है।

रेको डिक खदान : पाकिस्तान की सबसे बड़ी खनन परियोजना

सऊदी निवेश और भारत के लिए संदेश

विशेषज्ञों का मानना है कि यह निवेश सिर्फ आर्थिक नहीं, बल्कि सामरिक और कूटनीतिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान और भारत के बीच चल रहे तनाव के बीच यह सौदा भारत के लिए चिंता का विषय बन सकता है।

रेको डिक का सामरिक महत्व

बलूचिस्तान स्थित यह खदान 2 लाख टन तांबा और 2.5 लाख औंस सोना हर साल निकालने में सक्षम है। 1995 में यहां केवल 4 महीनों में ही 200 किलोग्राम सोना और 1700 टन तांबा निकाला गया था। कनाडा की Barrick Gold और पाकिस्तान सरकार की संयुक्त साझेदारी में चल रही इस परियोजना में अब **सऊदी की मनारा मिनरल्स** कंपनी 15% हिस्सेदारी खरीदने की तैयारी में है।

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच निवेश वार्ता

भारत के लिए पांच बड़ी चिंताएं

1. भारत-सऊदी संबंधों में संभावित दरार
2. पाकिस्तान को आर्थिक स्थिरता मिलने की संभावना
3. रेको डिक के जरिए सैन्य खर्चों में इजाफा
4. चीन-पाक गठजोड़ को नया सहयोगी
5. भारत की कूटनीति को झटका

क्या भारत को जवाब देना चाहिए ?

भारत को चाहिए कि वह सऊदी अरब के साथ कूटनीतिक वार्ता करे और अपने निवेश हितों को खनन क्षेत्रों में भी मजबूत करे। इस प्रकार की परियोजनाएं सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा होती हैं।

पाकिस्तान की जीडीपी का 42% कर्ज में है, ऐसे में रेको डिक खदान से विदेशी निवेश उसकी अर्थव्यवस्था को राहत दे सकता है।

Source: Samachar Wani News

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.